बी.ए. तृतीय वर्ष – हिन्दी साहित्य – 2019–20

द्वितीय प्रश्न–पत्र – निबंध एवं भाषा

समय : 3 घंटे **उत्तीर्णांक : 36** **पूर्णांक : 100**

इकाई – 1

1. मन की दृढ़ता – बालकृष्ण भट्ट
2. दांत – प्रतापनारायण मिश्र
3. क्रोध – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. साहित्य का मूल्य – बाबु गुलाबराय

इकाई – 2

5. नाखून क्यों बढ़ते हैं – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. प्रसाद और निराला – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
7. भूमि को देवत्व प्रदान (पृथ्वी पुत्र से) – वासुदेव शरण अग्रवाल
8. जीने की कला – महादेवी वर्मा

इकाई – 3

9. प्रेमचंद और भाषा समस्या – डॉ. रामविलास शर्मा
10. तमाल के झरोखे से – विद्यानिवास मिश्र
11. आधुनिकता : नयी और पुरानी – कुबेरनाथ राय
12. परम्परा बोध और समकालीन साहित्य – नन्दकिशोर आचार्य

इकाई – 4

भाषा का वैज्ञानिक परिचय, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं। हिन्दी भाषा सामान्य परिचय। देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय।

हिन्दी आलोचनात्मक एवं निबन्ध का तात्त्विक विवेचन और ऐतिहासिक विकास (परिचयात्मक इतिहास)

इकाई – 5

1. साहित्यिक निबन्ध : क्षेत्र – 1. कवि, कहानीकार, उपन्यासकार, निबन्धकार।
   2. राजस्थान का हिन्दी साहित्य

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रथम 3 इकाइयों में से व्याख्या संबंधी कुल 7 व्याख्या प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 व्याख्याओं को अनिवार्य रूप से हल करना होगा।
4. खंड स में पांचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	प्रथम 3 इकाइयों में से 7 व्याख्या संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएं –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य में निबन्ध का विकास – डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बहादुर सिंह
3. हिन्दी साहित्य : युग प्रवृत्तियां – शिवकुमार शर्मा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
5. भाषा विज्ञान – डॉ. बहादुर सिंह
6. हिन्दी भाषा विकास के आयाम – आभा त्रिवेदी
7. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. साहित्यिक निबन्ध– राजनाथ शर्मा